फ्लिपकार्ट के राजस्व में उछाल

ई-कॉमर्स दिग्गज ने 63 फीसदी कम किया नुकसान, जिसकी मुख्य वजह वॉलमार्ट की तरफ से अधिग्रहण के कारण वित्तीय लागत का न होना है

पीरजादा अबरार
बेंगलूरु, 1 नवंबर

फ्लिपकार्ट का एकीकृत राजस्व वित्त वर्ष 2019 में 42 फीसदी उछलकर 43,615 करोड़ रुपये (6.14 अरब डॉलर) पर पहुंच गया, साथ ही कंपनी ने नुकसान में काफी कमी की है। यह जानकारी कंपनी की सिंगापुर होल्डिंग कंपनी की तरफ से दी गई नियामकीय सूचना से मिली, जिसे बिजनेस इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म पेपर डॉट वीसी ने देखा है।

वित्त वर्ष 2019 काफी अहम है क्योंकि वित्त वर्ष के पहले चार महीने को छोड़कर फ्लिपकार्ट का स्वामित्व अमेरिकी खुदरा दिग्गज वॉलमार्ट के पास चला गया, जिसने अगस्त 2018 में उसका अधिग्रहण किया था।

बेंगलूरु मुख्यालय वाली कंपनी का नुकसान वित्त वर्ष 2018 के 46,985 करोड़ रुपये के मुकाबले वित्त वर्ष 2019 में 63 फीसदी घटकर 17,231 करोड़ रुपये रह गया, जिसकी वजह खर्च में भारी कटौती रही। इस अवधि में खर्च 46,895 करोड़ रुपये के मुकाबले घटकर 17,281 करोड़ रुपये रह गया। हालांकि यह मुख्य रूप से वॉलमार्ट की तरफ से अधिग्रहण के बाद वित्तीय लागत में कटौती के कारण हुआ। यह जानकारी पेपर डॉट वीसी के संस्थापक विवेक दुरई ने दी।

उन्होंने कहा, खर्च में भारी गिरावट की वजह वित्तीय लागत में कमी रही, न कि परिचालन खर्च में कमी। वित्त वर्ष 2018 के खर्च में वित्तीय लागत की हिस्सेदारी ज्यादा थी, जिसका कारण परिवर्तनीय प्रतिभूतियों के लेखांकन का मामला था। अगर हम वित्तीय लागत को हटा दें तो वास्तव में समूह का कर्च 118 फीसदी बढ़ा।

उदाहरण के लिए कर्मचारियों के फायदे के लिए फ्लिपकार्ट का खर्च वॉलमार्ट के अधिग्रहण के बाद से 58 फीसदी बढ़कर 4,254 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

फॉरेस्टर रिसर्च के वरिष्ठ विश्लेषक सतीश मीणा के मुताबिक, वित्तीय लागत को छोड़ दें तो फ्लिपकार्ट का नुकसान बढ़ रहा है क्योंकि कंपनी कर्मचारियों के फायदे, विपणन और ब्रांड प्रमोशन पर ज्यादा खर्च कर रही है। मीणा ने कहा, पिछले साल फ्लिपकार्ट के राजस्व की रफ्तार 50 फीसदी थी। इस समय यह 42 फीसदी है। यह रफ्तार ठीक है और ऐसा नहीं है कि इससे खुशी न मिलती हो। लेकिन उनका नुकसान अभी भी चिंता का विषय है।

नियामकीय सूचना से यह भी पता चलता है कि फ्लिपकार्ट के ग्रुप सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति के पद संभालने के बाद से अधिग्रहण को लेकर उसकी रणनीति आक्रामक हो गई। समूह ने वित्त वर्ष 2019 में अधिग्रहण पर 4.68 करोड़ डॉलर खच4 किए, जिसमें इजरायल की अपस्ट्रीम कॉमर्स का सितंबर 2018 में अधिग्रहण पर 2.14 करोड़ डॉलर का खर्च और बेंगलूरु की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी लिव डॉट एआई का 1.05 करोड़ डॉलर में अधिग्रहण शामिल है। देश के बढ़ते ऑनलाइन बाजार में वर्चस्व बनाने के लिए ई-कॉमर्स कंपनियां भारी नुकसान का सामना कर रही हैं, जो साल 2028 तक 200 अरब डॉलर पर पहुंचने की संभावना है, जो पिछले साल 30 अरब डॉलर रहा था।

नुकसान घटाने के लिए ये कंपनियां काफी मेहनत कर रही हैं। पेटीएम ई-कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड (पेटीएम मॉल) ने वित्त वर्ष 2019 में नुकसान कम किया क्योंकि कंपनी का राजस्व 25 फीसदी बढ़कर 968 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। समीक्षाधीन अवधि में पेटीएम ग्रुप के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स कंपनी का शुद्ध नुकसान 1,171 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 34 फीसदी कम है। कंपनी ने खर्च पर नियंत्रण के जरिये यह हासिल किया।

बिजनेस इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म टोफलर के मुताबिक, एमेजॉन सेलर सर्विसेज का नुकसान 2018-19 में घटकर 5,685 करोड़ रुपये रह गया। यह पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 9.5 फीसदी कम है जबकि उसका राजस्व इस अवधि में 55 फीसदी उछलकर 7,778 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

राजस्व बढ़ा, घाटा कम

- एकीकृत राजस्व वित्त वर्ष 2019 में 42 फीसदी उछलकर 43,615 करोड़ रुपये (6.14 अरब डॉलर) पर पहुंच गया
- इस अवधि में खर्च 46,895 करोड़ रुपये के मुकाबले घटकर 17,281 करोड़ रुपये रह गया।

येस बैंक ने की कॉल खरीदने वालों की चांदी

65 रुपये के अनुबंध के लिए ऑप्शन प्रीमियम दिन के उच्चस्तर पर 270 गुना ज्यादा था

जश कृपलानी
मुंबई, 1 नवंबर

येस बैंक में गुरुवार को आई तेजी से डेरिवेटिव ट्रेडरों को अप्रत्याशित लाभ हासिल हुआ, जिन्होंने बैंक के कॉल ऑप्शन की खरीदारी की थी। वैश्विक निवेशक की तरफ से बाध्यकारी पेशकश का खुलासा किए जाने से पहले 65 रुपये के स्ट्राइक प्राइस के कॉल ऑप्शन पर शायद ही कोई प्रीमियम मिल रहा था। हालांकि बैंक की तरफ से निवेश संबंधी खबर दिए जाने के बाद ऑप्शन प्रीमियम 13.5 रुपये तक उछल गया। यह पांच पैसे पर खुला था और उसमें 270 गुने की उछाल दर्ज हुई।

गुरुवार को येस बैंक का शेयर 56 रुपये पर खुलने के बाद कारोबारी सत्र में 34 फीसदी चढ़ा और दिन का उच्चस्तर 76 रुपये था। बैंक ने कहा कि उसे 1.2 अरब डॉलर के निवेश की पेशकश की मिली है।

60 रुपये स्ट्राइक प्राइस के कॉल ऑप्शंस में भी काफी कमाई हुई। यह 40 पैसे पर खुला और इस अनुबंध का ऑप्शन प्रीमियम 46 गुना उछलकर 18.4 रुपये की ऊंचाई पर पहुंच गया। 55 रुपये स्ट्राइक प्राइस पर कॉल ऑप्शन दिन के उच्चस्तर पर 24 गुना ऊपर था।

कॉल ऑप्शन डेरिवेटिव अनुबंध होते हैं, जो खरीदार को सहमति वाले स्ट्राइक प्राइस पर अंतर्निहित परिसंपत्तियां खरीदने का अधिकार देता है। जब अंतर्निहित परिसंपत्ति की कारोबारी कीमत स्ट्राइक प्राइस से काफी दूर होती है तो ऑप्शन प्रीमियम काफी कम होता है। इस अनुबंध के खरीदारों को फायदा मिलता है क्योंकि ट्रेड प्राइस और स्ट्राइक प्राइस का अंतर कम हो जाता है।

दूसरी ओर, एक्सपायरी के दिन ऑप्शन प्रीमियम के धराशायी होने की उम्मीद में कॉल अनुबंध बेचने वाले ट्रेडर गलत फंस गए क्योंकि कीमतें गुरुवार को विपरीत दिशा में चली गईं।

विश्लेषकों ने कहा कि यह शेयर मौजूदा स्तर पर एकीकृत हो सकता है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के तकनीकी विश्लेषक धर्मेश शाह ने कहा, यहां से हमें और ज्यादा बढ़ोतरी नहीं दिख रही है। जब तक कि कोई बड़ी घोषणा नहीं होती, शेयर की कीमतें 60 से 75 रुपये के दायरे में रहेगी।

बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि गुरुवार को कीमत की चाल काफी हद तक कंपनी की सकारात्मक खबर के कारण देखने को मिली। शुक्रवार को येस बैंक का शेयर 5.5 फीसदी टूटकर 66 रुपये पर बंद हुआ।

बाजार के सूत्रों के मुताबिक, सेबी यह सुनिश्चित करने के लिए गुरुवार की ट्रेडिंग की समीक्षा कर सकता है कि नियमों का कोई गंभीर उल्लंघन नहीं हुआ है।

साल 2019 में येस बैंक के शेयरों में काफी उतारचढ़ाव देखने को मिला है। बैंक के कर्ज की परिसंपत्ति गुणवत्ता पर चिंता, प्रवर्तक के गिरवी शेयर और पूंजी की कमजोर स्थिति ने शेयर कीमतों पर दबाव बनाए रखा है।

इस साल अब तक येस बैंक का शेयर 64 फीसदी टूट चुका है। 52 हफ्ते के उच्चस्तर 285 रुपये से यह शेयर अभी 76 फीसदी नीचे कारोबार कर र हा है।

येस बैंक पर ट्रेडिंग दांव

	ऑप्शन प्रीमियम (रुपये)		
कॉल अनुबंध (स्ट्राइक प्राइस)	खुला	ऊंचा	बंद
55 रुपये के लिए	0.95	22.8	14.80
60 रुपये के लिए	0.40	18.4	09.80
65 रुपये के लिए	0.05	13.5	05.00
येस बैंक की चाल	56	76	70.45

स्रोत : एनएसई। 31 अक्टूबर के आंकड़े

येस बैंक का एकीकृत घाटा 629 करोड़ रु.

संपत्ति की गुणवत्ता में गिरावट आने के कारण येस बैंक को सितंबर तिमाही में एकीकृत आधार पर 629.10 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। बैंक को पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 951.47 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भी बैंक को 95.56 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। बैंक ने कहा कि इस दौरान बैंक की कुल एकीकृत आय भी पिछले वित्त वर्ष के 8,713.67 करोड़ रुपये से कम होकर चालू वित्त वर्ष में 8,347.50 करोड़ रुपये पर आ गई। बैंक की परिसंपत्ति की गुणवत्ता में इस दौरान भारी गिरावट देखने को मिली है। उसकी समग्र गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) 1.60 फीसदी से बढ़कर 7.39 फीसदी पर पहुंच गई। शुद्ध एनपीए भी 0.84 फीसदी से बढ़कर 4.35 फीसदी पर पहुंच गया। बैंक ने कहा कि एनपीए के लिए किया जाने वाला प्रावधान 942.53 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,336.25 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। *भाषा*

नवंबर में 12 दिन तक कामकाज बंद रखेगी अशोक लीलैंड

टी ई नरसिम्हन
चेन्नई, 1 नवंबर

अशोक लीलैंड ने कहा है कि बाजार में वाहनों की मांग को देखते हुए कंपनी ने नवंबर के दौरान 12 दिन तक कामकाज बंद रखने का प्रस्ताव रखा है। कंपनी ने कहा कि यह फैसला बाजार में उसके वाहनों की मांग को देखते हुए लिया गया है, इस लिहाज से नवंबर में 12 दिन तक कामकाज बंद रखने का प्रस्ताव है। अक्टूबर में भी वाणिज्यिक वाहन दिग्गज ने विभिन्न संयंत्रों में विनिर्माण 15 दिन तक निलंबित रखा था ताकि बाजार की मांग के हिसाब से उत्पादन को समायोजित किया जा सके।

अक्टूबर 2019 में अशोक लीलैंड ने देसी मध्यम व भारी वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में 50 फीसदी की गिरावट दर्ज की और यह एक साल पहले के 9,062 वाहनों के मुकाबले घटकर 4,565 वाहन रह गया। बिक्री में गिरावट मुख्य रूप से ट्रकों के कारण दर्ज हुई, जिसमें 59 फीसदी की गिरावट आई और बसों की बिक्री 31 फीसदी बढ़ी। ट्रकों की कुल बिक्री अक्टूबर में एक साल पहले के 8,124 के मुकाबले घटकर 3,335 रह गई। हल्के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 15 फीसदी घटकर 4,509 रह गई, जो एक साल पहले 5,279 थी।

अप्रैल से अक्टूबर में देसी वाहनों की संचयी बिक्री 28 फीसदी घटकर 73,324 वाहन रह गई, जो एक साल पहले 1,01,377 वाहन रही थी। मध्यम व भारी ट्रकों की बिक्री इस अवधि में 43 फीसदी घटकर 35,563 रह गई, जो एक साल पहले 62,456 रही थी।

इंडिगो को 97 एयरबस ए320 नियो विमानों में इंजन बदलने का निर्देश

अनीश फडणीस
मुंबई, 1 नवंबर

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो के सभी 97 एयरबस ए320 नियो विमानों में इंजन बदलने के लिए जनवरी के अंत तक की समय-सीमा निर्धारित की है। विमानन कंपनी को निर्देश दिया गया है कि वह पर्याप्त संख्या में नए इंजन खरीदे और जरूरत पड़ने पर उसे विमान में लगाए। विमानन नियामक ने चेताया है कि जिन विमानों में नए इंजन नहीं लगाए जाएंगे उनका परिचालन इस समय-सीमा के बाद रोक दिया जाएगा।

डीजीसीए ने कहा है कि महज एक सप्ताह के दौरान इन विमानों के उड़ान भरने के बाद वापस हवाई अड्डे पर लौटने की चार घटनाओं के बाद त्वरित एवं प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। विमानन नियामक के इस निर्देश से इंडिगो समय-सारणी और बेड़े में विमानों के शामिल करने की क्षमता प्रभावित होगी। इंडिगो विमानों की आपूर्ति में देरी के कारण वित्त वर्ष 2020 में अपने लक्ष्य से 25 फीसदी पीछे पहले ही चल रही है।

नागरिक उड्डयन महानिदेशक अरुण कुमार ने अपने ताजा आदेश में कहा है कि उड़ान भरने के बाद विमान के लौटने की चार घटना वास्तव में चिंताजनक है और इसे अनिश्चितकाल के लिए छोड़ा नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि इंडिगो के सभी 97 ए320 नियो विमानों (90 ए320 और 7 ए321) के दोनों इंजनों को लो प्रेशर टरबाइन इंजन से बदलने की जरूरत है। इंडिगो के ए320 नियो विमानों में प्रैट ऐंड व्हिटनी द्वारा विनिर्मित इंजन लगे हैं।

कुमार ने कहा, 'वास्तव में यह एक कठिन काम है और इसे तत्काल नहीं किया जा सकता है। इसलिए निर्णय लिया गया है कि ऑपरेटर (इंडिगो) अवश्य सुनिश्चित करे कि इन सभी विमानों में लो प्रेशर टरबाइन वाले नए इंजन किसी भी कीमत पर 30 जनवरी 2020 तक लग जाएंगे। यदि ऐसा नहीं किया गया तो पुराने इंजन वाले विमानों को उड़ाने की अनुमति नहीं होगी।'

इंडिगो ने इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा है कि डीजीसीए ने पिछले सप्ताह निर्देश जारी किए थे जिसके तहत 19 नवंबर 2019 तक 2,900 घंटे से अधिक उड़ान भर चुके विमानों में कम से कम एक एलपीटी 3 मोडिफाइड इंजन होना चाहिए। इंडिगो ने कहा, 'हमें विश्वास है कि हम इस निर्देश का पालन करने में समर्थ होंगे और अपने मौजूदा परिचालन को बकरार रख पाएंगे। उसके बाद हमें 1 नवंबर 2019 को डीजीसीए की ओर से ताजा निर्देश मिला है जिसमें कहा गया है कि 31 जनवरी 2020 के बाद परिचालन वाले सभी ए320 नियो विमानों में दोनो इंजन एलपीटी 3 मोडिफाइड इंजन लगे होने चाहिए।' विमानन कंपनी ने कहा, 'इंडिगो के बेड़े में फिलहाल 98 ए320 नियो विमान मौजूद हैं और करीब 45 फीसदी इंजन बदले जा चुके हैं। हम पीऐंडडब्ल्यू और एयरबस दोनों दोनों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं ताकि इस समस्या को दूर किया जा सके और 31 जनवरी 2020 तक हमारे पास पर्याप्त मोडिफाइड इंजन उपलब्ध हो। इस बीच हमारा परिचालन जारी रहेगा।'

डीजीसीए का निर्देश

- डीजीसीए ने विमानन कंपनी को इंजन बदलने के लिए दो महीने का समय दिया
- जिन विमानों के इंजन नहीं बदले जाएंगे उनका परिचालन रोक दिया जाएगा

बैंक ऑफ इंडिया ने दर्ज किया लाभ

बीएस संवाददाता/एजेंसियां
नई दिल्ली, 1 नवंबर

बैंक ऑफ इंडिया सितंबर तिमाही में 407.6 करोड़ रुपये का कर-पूर्व लाभ (पीबीटी) दर्ज किया है, जबकि एक साल पहले की समान तिमाही में उसे 1,696.3 करोड़ रुपये के कर-पूर्व नुकसान का सामना करना पड़ा था। बैंक का शुद्ध लाभ 266.4 करोड़ रुपये पर रहा जबकि 2018-19 की सितंबर तिमाही में उसे 1,156.3 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। बैंक द्वारा नई कर व्यवस्था (25 प्रतिशत की कॉरपोरेट कर दर) पर मार्च 2020 तक अमल किए जाने की संभावना है। शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) दूसरी तिमाही में 31.9 प्रतिशत तक बढ़कर 3,860 करोड़ रुपये पर रही जो एक साल पहले की तिमाही में 2,927 करोड़ रुपये थी। शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) भी 2.65 प्रतिशत से बढ़कर 3.36 प्रतिशत हो गया।

सेंट्रल बैंक का शुद्ध लाभ 139 करोड़ रु.

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में 138.58 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ हुआ है। फंसे कर्ज में कमी इसकी वजह रही। बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक साल पहले की इसी तिमाही में बैंक को 935.54 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल - जून तिमाही में बैंक को 121.61 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। बैंक ने बताया कि समीक्षाधीन अवधि में बैंक की आय बढ़कर 6,728.17 करोड़ रुपये रही। एक साल पहले की इसी तिमाही में उसकी आय 6,224.05 करोड़ रुपये थी। एकल आधार पर, बैंक का शुद्ध लाभ 134.07 करोड़ रुपये रहा। बैंक का एनपीए कम होकर सकल कर्ज की 19.89 फीसदी (33,497.22 करोड़ रुपये) रहीं।

करुर वैश्य बैंक का लाभ घटा

करुर वैश्य बैंक ने सितंबर में समाप्त तिमाही में कर-पूर्व लाभ (पीबीटी) में 55.5 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की है। सितंबर तिमाही में कर-पूर्व लाभ 65.99 करोड़ रुपये पर रहा जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 148.25 करोड़ रुपये था। तिमाही के दौरान कुल आय 11.2 प्रतिशत बढ़कर 1815.24 करोड़ रुपये रही जबकि पूर्ववर्ती वर्ष की समान अवधि में यह 1632.50 करोड़ रुपये थी।

बीएस बातचीत

उतारचढ़ाव में खरीदारी करने वालों को लंबी अवधि में फायदा

सुंदरम म्युचुअल फंड के प्रबंध निदेशक **सुनील सुब्रमण्यन** ने कहा है कि निवेशकों को अल्पावधि के निवेश पर बहुत ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहिए और नकारात्मक खबरों को नजरअंदाज करना चाहिए। **समी मोडक** को दिए साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट जारी रखने वाले निवेशकों को लंबी अवधि में फायदा मिलेगा। पेश हैं बातचीत के मुख्य अंश...

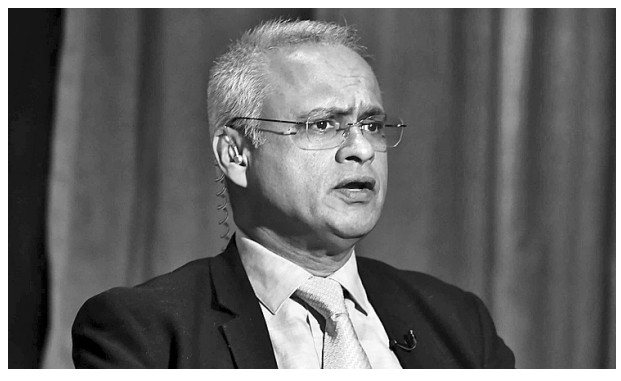

क्या निवेश में आई हालिया नरमी चिंता का विषय है?
एक अवधि में एकमुश्त निवेश घटा है। ज्यादा निवेश निकासी के कारण शुद्ध निवेश का आंकड़ा अभी चिंताजनक नजर आ रहा है। निवेश निकासी की कई वजहें हो सकती है। हालिया निवेश निकासी निवेशकों की तरफ से सक्रिय प्रबंधन के कारण हुई है। जब चीजें सुधरेंगी तो वही रकम वापस आ जाएगी। साथ ही आपको याद रखना चाहिए कि निवेश में नरमी आधार प्रभाव की वजह से नजर आई है। पिछले दो साल में उद्योग ने 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश हासिल किया है। वैसे ही रिटर्न की अपेक्षा करना अनुचित है।

उतारचढ़ाव में इजाफे ने फंड मैनेजरों का काम चुनौतीपूर्ण बना दिया है?
म्युचुअल फंड के नजरिये से देखें तो बाजार में उतारचढ़ाव वास्तव में अच्छा होता है। जब बाजार में तेजी रहती है तो फंड मैनेजर परेशान रहते हैं क्योंकि निवेशक तब काफी उम्मीद के साथ आते हैं जब बाजार की ज्यादातर बढ़त हो चुकी होती है। उतारचढ़ाव के दौर में खरीदारी करने वाले निवेशकों को अगले तीन साल में फायदा मिलेगा।

अभी निवेश करने पर विचार करने वालों को आप क्या सलाह देंगे?
एकमुश्त रकम लगाने के बजाय सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट बेहतर होता है क्योंकि बाजारों में आंतरिक तौर पर उतारचढ़ाव है। दूसरा पहलू भारत की बढ़त की कहानी पर भरोसा है। मुझे लगता है कि अगले दो दशक में भारत अगला चीन बनने जा रहा है। यह विदेशी निवेश का गुरुत्व केंद्र होगा। ऐसे में आंतरिक मूल्यांकन ऊपर जाएगा। इसलिए अल्पावधि का उतारचढ़ाव लंबी अवधि के निवेशकों का मित्र होता है। ऐसे में मैं अल्पावधि के संकट को नजरअंदाज करने के लिए हर किसी को प्रोत्साहित करूंगा। हम निवेश में कॉन्ट्रा का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह आपकी रकम सबसे ज्यादा उतारचढ़ाव वाले क्षेत्र में रखेगा क्योंकि वही आपको पुरस्कृत करेगा। लोग उतारचढ़ाव से आम तौर पर दूर रहते हैं। ज्यादातर फंड मैनेजर कॉन्ट्रा के जरिए फायदा देते हैं। हालांकि हमें कंपनी प्रशासन को लेकर सावधान रहना चाहिए।

सक्रियता से प्रबंधित फंड अपने बेंचमार्क को मात नहीं दे पा रहे हैं। सक्रिय बनाम निष्क्रिय पर जारी बहस पर आपकी क्या राय है?
संस्थागत रकम और धनाढ्य निवेशक निष्क्रिय योजनाओं खास तौर से लार्जकैप की तरफ ज्यादा देख रहे हैं। कई ईटीएफ के बेहतर प्रदर्शन की वजह यह रही कि फंड मैनेजरों का रिलायंस इंडस्ट्रीज पर दांव नहीं लगा पाए। ज्यादातर भारी तेजी का फायदा नहीं उठा पाए, जिसकी शुरुआत 2017 में हुई। इससे कई निवेशक निराश हुए। संपत्ति प्रबंधक को फंड प्रबंधन शुल्क देने के बावजूद वे इंडेक्स को मात नहीं दे पाए। ऐसे में हमने भी निष्क्रिय फंडों में रकम लगाई। आगे भी विशाखित लार्जकैप योजनाएं बेंचमार्क को मात नहीं दे पाएंगी। इससे ईटीएफ में और रकम जा सकती है।

आर्थिक सुधार में कितना समय लगेगा?
सुधार की प्रक्रिया लंबी होगी। मुझे लगता है कि सरकार उपभोग में मंदी को लेकर तेजी से कदम नहीं उठा रही है। सरकार पूंजीगत खर्च में इजाफे की कोशिश कर रही है। कंपनी कर में कटौती, एफडीआई नियमों में नरमी और बैंकिंग व्यवस्था में नकदी झोंकने के कदम नए निवेश में इजाफे के लिए उठाए गए हैं। इसका वास्तविक असर एक अवधि में दिखेगा।

अगले साल हम कितने रिटर्न की उम्मीद कर सकते हैं?
बाजार के रिटर्न का अनुमान लगाना मुश्किल है। चूंकि निवेशकों को मंदी के दौरान सकारात्मक चीजें दिखी है, लिहाजा बाजार में उछाल शुरू हो गया है। निवेशक वास्तविक सुधार का इंतजार नहीं करते। वित्तीय बाजार में कुल मिलाकर दरें कम हुई हैं। रिटर्न एक अंक में (उच्चस्तर पर) रह सकता है क्योंकि बैंक दरें घट रही हैं।

Extract of Unaudited Financial Results for the Quarter and Half Year ended 30 September 2019

₹in lacs (except per share data)

S. No.	Particulars	Quarter ended			Half Year ended		Year ended
		30.09.2019 (Unaudited)	30.06.2019 (Unaudited)	30.09.2018 (Unaudited)	30.09.2019 (Unaudited)	30.09.2018 (Unaudited)	31.03.2019 (Audited)
1	Total Income	31,533.58	45,512.96	26,323.25	77,046.54	62,532.65	1,43,966.78
2	Net Profit / (Loss) for the period (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary items)	(2,287.72)	2,588.36	(723.40)	300.64	3,013.07	10,961.04
3	Net Profit / (Loss) for the period before tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	(2,287.72)	2,588.36	(968.40)	300.64	2,768.07	9,981.10
4	Net Profit / (Loss) for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	(1,804.14)	1,760.06	(402.36)	(44.08)	2,084.23	6,162.62
5	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	(1,823.31)	1,754.43	(373.82)	(68.88)	2,117.57	6,126.95
6	Paid up equity share capital (face value of ₹10 per share each)	1,815.36	1,815.34	1,812.72	1,815.36	1,812.72	1,813.00
7	Other equity	-	-	-	-	-	39,114.04
8	Earnings Per Share (of ₹10/- each) (not annualized) -						
	(a) Basic	(9.94)	9.70	(2.22)	(0.24)	11.50	34.01
	(b) Diluted	(9.94)	9.69	(2.22)	(0.24)	11.46	33.90

The above is an extract of the detailed format of quarterly financial results filed with Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of quarterly financial results is available on the Stock Exchanges websites - www.nseindia.com/www.bseindia.com and on the Company's Website - www.vmart.co.in

The financial results have been prepared in accordance with the Indian Accounting Standards ('Ind -AS') as notified under the Companies (Indian Accounting Standards) Rules, 2015 as specified in section 133 of the Companies Act, 2013.

The said financial results were reviewed by the Audit Committee and approved by the Board of Directors of the Company in its meeting held on 01 Nov 2019.

For and on behalf of the Board of Directors
Sd/-
Lalit Agarwal
Chairman & Managing Director
DIN: 00900900

Place: Gurugram
Date: 01 November, 2019

V-MART RETAIL LIMITED
Regd. Off. - 610-611, Guru Ram Dass Nagar, Main Market, Opp. SBI Bank, Laxmi Nagar, New Delhi - 110092.
Corporate Off. - Plot No. 862, Udyog Vihar, Industrial Area, Phase - V, Gurugram - 122016
Tel. :0124-4640030; Fax : 0124-4640046; Email : info@vmart.co.in;
Website: www.vmart.co.in; CIN - L51909DL2002PLC163727